



Mr.

10 Apr 1995

10:00 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121875503

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 10/04/1995 : _____ जन्म तिथि _____ : 10/04/2026
 सोमवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
 घंटे 22:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 21:03:56 घंटे
 घटी 39:54:48 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 37:35:58 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 उत्तर 28:39:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 पूर्व 77:13:00 : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:02:04 : _____ सूर्योदय _____ : 06:01:32
 18:43:39 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:43:55
 23:47:37 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:33
 वृश्चिक : _____ लग्न _____ : तुला
 मंगल : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शुक्र
 कर्क : _____ राशि _____ : मकर
 चन्द्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 आश्लेषा : _____ नक्षत्र _____ : उत्तराषाढा
 बुध : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : सूर्य
 3 : _____ चरण _____ : 2
 शूल : _____ योग _____ : सिद्ध
 गर : _____ करण _____ : कौलव
 डे-डेविड : _____ जन्म नामाक्षर _____ : भो-भोली
 मेष : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मेष
 विप्र : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 जलचर : _____ वश्य _____ : जलचर
 मार्जार : _____ योनि _____ : नकुल
 राक्षस : _____ गण _____ : मनुष्य
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : अन्त्य
 श्वान : _____ वर्ग _____ : मूषक
 31 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 32

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अनुराधा	2	09:24:59	वृश्चि			लग्न			तुला	27:26:26	3	विशाखा
रेवती	3	26:32:50	मीन			सूर्य			मीन	26:32:50	3	रेवती
आश्लेषा	3	24:43:03	कर्क			चंद्र			मक	01:31:16	2	उत्तराषाढा
आश्लेषा	2	21:00:13	कर्क			मंगल		अ	मीन	06:25:19	1	उ०भाद्रपद
रेवती	2	22:23:28	मीन	अ		बुध			कुंभ	29:46:45	3	पू०भाद्रपद
ज्येष्ठा	2	21:27:29	वृश्चि	व		गुरु			मिथु	22:18:52	1	पुनर्वसु
पू०भाद्रपद	1	22:22:15	कुंभ			शुक्र			मेष	19:16:00	2	भरणी
पू०भाद्रपद	2	25:27:18	कुंभ			शनि		अ	मीन	12:30:52	3	उ०भाद्रपद
स्वाति	2	11:53:51	तुला	व		राहु			कुंभ	13:49:54	3	शतभिषा
अश्विनी	4	11:53:51	मेष	व		केतु			सिंह	13:49:54	1	पू०फाल्गुनी
उत्तराषाढा	3	06:25:38	मक			मु			मिथु	09:24:59	1	आर्द्रा

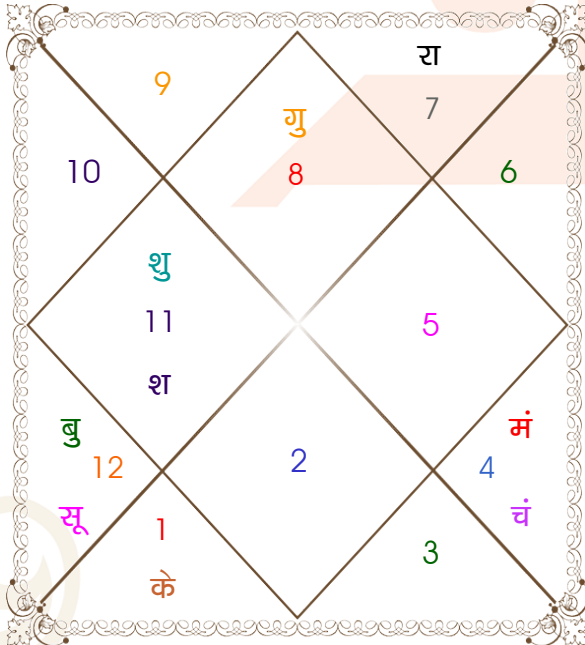
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

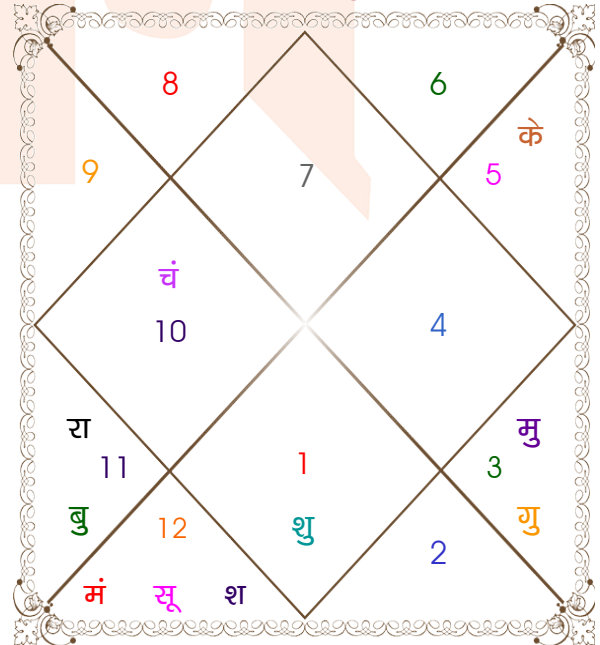
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - बुध - चंद्र		शुक्र - बुध - मंगल		शुक्र - बुध - राहु		शुक्र - बुध - गुरु	
10/03/2026 22:21		05/06/2026 04:06		04/08/2026 12:56		06/01/2027 18:29	
05/06/2026 04:06		04/08/2026 12:56		06/01/2027 18:29		24/05/2027 18:05	
चंद्र	18/03/2026 02:50	मंगल	08/06/2026 16:37	राहु	27/08/2026 19:46	गुरु	25/01/2027 04:02
मंगल	23/03/2026 03:34	राहु	17/06/2026 17:57	गुरु	17/09/2026 12:30	शनि	16/02/2027 00:22
राहु	05/04/2026 02:02	गुरु	25/06/2026 19:07	शनि	12/10/2026 02:23	बुध	07/03/2027 13:31
गुरु	16/04/2026 14:00	शनि	05/07/2026 08:31	बुध	03/11/2026 02:10	केतु	15/03/2027 14:41
शनि	30/04/2026 05:43	बुध	13/07/2026 21:46	केतु	12/11/2026 03:30	शुक्र	07/04/2027 14:37
बुध	12/05/2026 10:56	केतु	17/07/2026 10:17	शुक्र	08/12/2026 00:25	सूर्य	14/04/2027 12:12
केतु	17/05/2026 11:40	शुक्र	27/07/2026 11:45	सूर्य	15/12/2026 18:42	चंद्र	26/04/2027 00:10
शुक्र	31/05/2026 20:37	सूर्य	30/07/2026 12:12	चंद्र	28/12/2026 17:10	मंगल	04/05/2027 01:21
सूर्य	05/06/2026 04:06	चंद्र	04/08/2026 12:56	मंगल	06/01/2027 18:29	राहु	24/05/2027 18:05
शुक्र - बुध - शनि		शुक्र - केतु - केतु		शुक्र - केतु - शुक्र		शुक्र - केतु - सूर्य	
24/05/2027 18:05		04/11/2027 14:36		29/11/2027 11:11		08/02/2028 11:41	
04/11/2027 14:36		29/11/2027 11:11		08/02/2028 11:41		29/02/2028 19:02	
शनि	19/06/2027 16:44	केतु	06/11/2027 01:24	शुक्र	11/12/2027 07:16	सूर्य	09/02/2028 13:15
बुध	12/07/2027 21:50	शुक्र	10/11/2027 04:50	सूर्य	14/12/2027 20:29	चंद्र	11/02/2028 07:52
केतु	22/07/2027 11:14	सूर्य	11/11/2027 10:40	चंद्र	20/12/2027 18:32	मंगल	12/02/2028 13:41
शुक्र	18/08/2027 18:39	चंद्र	13/11/2027 12:23	मंगल	24/12/2027 21:58	राहु	15/02/2028 18:24
सूर्य	26/08/2027 23:17	मंगल	14/11/2027 23:11	राहु	04/01/2028 13:38	गुरु	18/02/2028 14:34
चंद्र	09/09/2027 15:00	राहु	18/11/2027 16:40	गुरु	14/01/2028 00:54	शनि	21/02/2028 23:32
मंगल	19/09/2027 04:24	गुरु	22/11/2027 00:13	शनि	25/01/2028 06:47	बुध	24/02/2028 23:59
राहु	13/10/2027 18:16	शनि	25/11/2027 22:40	बुध	04/02/2028 08:15	केतु	26/02/2028 05:48
गुरु	04/11/2027 14:36	बुध	29/11/2027 11:11	केतु	08/02/2028 11:41	शुक्र	29/02/2028 19:02
शुक्र - केतु - चंद्र		शुक्र - केतु - मंगल		शुक्र - केतु - राहु		शुक्र - केतु - गुरु	
29/02/2028 19:02		05/04/2028 07:17		30/04/2028 03:51		03/07/2028 01:54	
05/04/2028 07:17		30/04/2028 03:51		03/07/2028 01:54		28/08/2028 21:30	
चंद्र	03/03/2028 18:03	मंगल	06/04/2028 18:05	राहु	09/05/2028 17:58	गुरु	10/07/2028 15:43
मंगल	05/03/2028 19:46	राहु	10/04/2028 11:34	गुरु	18/05/2028 06:30	शनि	19/07/2028 15:37
राहु	11/03/2028 03:36	गुरु	13/04/2028 19:07	शनि	28/05/2028 09:24	बुध	27/07/2028 16:48
गुरु	15/03/2028 21:14	शनि	17/04/2028 17:34	बुध	06/06/2028 10:43	केतु	31/07/2028 00:21
शनि	21/03/2028 12:11	बुध	21/04/2028 06:05	केतु	10/06/2028 04:12	शुक्र	09/08/2028 11:37
बुध	26/03/2028 12:55	केतु	22/04/2028 16:53	शुक्र	20/06/2028 19:53	सूर्य	12/08/2028 07:47
केतु	28/03/2028 14:38	शुक्र	26/04/2028 20:19	सूर्य	24/06/2028 00:35	चंद्र	17/08/2028 01:25
शुक्र	03/04/2028 12:40	सूर्य	28/04/2028 02:09	चंद्र	29/06/2028 08:25	मंगल	20/08/2028 08:58
सूर्य	05/04/2028 07:17	चंद्र	30/04/2028 03:51	मंगल	03/07/2028 01:54	राहु	28/08/2028 21:30

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्धिहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यों में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों, बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।